मथुरापुरा की महिला ग्राम प्रधान शोभा शर्मा हुईं सीएम के हाथों सम्मानित

'प्रधानपति' के मिथक को तोड़ा

झांसी | कार्यालय संवाददाता

रविवार को लखनऊ में मुख्यमंत्री के हाथों रानी लक्ष्मीबाई वीरता पुरस्कार से सम्मानित हुईं शोभा शर्मा को यह मुकाम यूं ही नहीं मिला। गांव में विकास कार्य कराने से लेकर बड़ी से बड़ी मीटिंगों तक में खुद ही शामिल होकर उन्होंने महिला सशक्तिकरण की एक अलग ही मिसाल पेश की है। चाहे गुजरात भ्रमण हो, या फिर पूर्व प्रधानमंत्री डा.मनमोहन सिंह के मुख्य आतिथ्य में हुई कार्यशाला रही हो। इन सभी में शोभा ने खुद ही शिरकत कर 'प्रधानपति' के हर कार्यक्रमों में शामिल होने के मिथक को भी तोड़ा है।

करीब चार हजार लोगों की आबादी वाले मथुरापुरा गांव (ब्लाक बबीना) की महिला प्रधान शोभा शर्मा रविवार को महिला सशक्तीकरण की दिशा में मजबूती से कदम बढ़ाने के कारण ही सम्मानित हुईं। लखनऊ स्थित मुख्यमंत्री निवास 5-कालीदास मार्ग पर मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने उन्हें एक लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि और प्रशस्तिपत्र देकर सम्मानित किया। शोभा को यह सम्मान मिलने से बुन्देलखंड की महिलाओं का भी सम्मान बढ़ा।

शोभा की शिक्षा तो महज हाईस्कूल तक ही रही। लेकिन पति विनोद शर्मा से मिली मजबूत इरादों की ताकत ने उन्हें महिला सशक्तीकरण की दिशा में काफी आगे बढ़ाया। प्रधान बनने के बाद गांव में विकास कार्य तो बढ़ चढ़कर कराए। साथ ही प्रधानों की होने वाली मीटिंगों सहित अन्य कार्यक्रमों में भी उन्होंने खुद ही प्रतिभाग किया और जनप्रतिनिधियों को घर की देहरी के भीतर ही रख 'प्रधानपति' के कार्यक्रमों में शामिल होने की कुप्रथा को भी दरकिनार किया। इरादे दिल को सम्बल देते गए और शोभा शर्मा के कदम महिला सशक्तीकरण की दिशा में आगे बढ़ते गए।

लखनऊ में मुख्यमंत्री के हाथों सम्मानित हो रहीं मथुरापुरा की ग्राम प्रधान शोभा शर्मा। • (फाइल फोटो)

शाबास

- मुख्यमंत्री के हाथों रानी लक्ष्मीबाई वीरता पुरस्कार से सम्मानित हुईं
- गांव में विकास कार्य से लेकर बड़ी मीटिंगों तक में खुद हुईं शामिल

इन कार्यक्रमों में कर चुकी हैं प्रतिभाग

- 24 अप्रैल 2013 को दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित राष्ट्रीय पंचायती विभाग की कार्यशाला में शामिल हुईं। इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉक्टर मनमोहन सिंह थे।
- पिछले साल स्वच्छता एवं पेयजल योजना के तहत गुजरात के अहमदाबाद जिले में अन्य ग्राम प्रधानों के साथ जाकर भ्रमण किया। इस भ्रमण में राज्य स्वच्छता समिति के वरिष्ठ अधिकारी हेमा भटनागर साथ रहीं।
- 9 फरवरी 2015 को बख्शी का तालाब लखनऊ में आयोजित राजीव गांधी पंचायती राज सशक्तीकरण कार्यक्रम में प्रतिभाग किया।
- इसके अलावा विगत वर्षों में गांव भ्रमण के लिए पहुंचे वरिष्ठ आईएएस अरविंद कुमार के साथ भी रहीं। उन्हें खुद ही गांव का भ्रमण कराया और तमाम विकास कार्यों से अवगत कराया।

कुमार रविकान्त सिंह जिलाधिकारी की अध्यक्षता में ''हमारा जल हमारा जीवन '' एवं ''मुख्यमंत्री जल बचाओ अभियान'' की एक दिवसीय गोष्ठी 22.04.2015 को सम्पन्न हुई

दिनांक 22.04.2015 को जनपद कानपुर देहात के कलेक्ट्रेट सभागार में ''हमारा जल हमारा जीवन'' एवं ''मुख्यमंत्री जल बचाओ अभियान'' पर एक दिवसीय गोष्ठी का शुभारम्भ जिलाधिकारी द्वारा दीप प्रज्जलित कर व माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। गोष्ठी में राजकुमार श्रीवास्तव , मुख्य विकास अधिकारी द्वारा जल ही जीवन की महत्वा के विषय में अवगत कराया गया कि लगभग 75 प्रतिशत भू–भाग जल से ही आच्छादित है। भू–गर्भ जल का दोहन ट्यूबवेल तथा अन्य साधनों से बड़ी मात्रा में होता है जिसके कारण भू जल का स्तर दिन प्रतिदिन घटता जा रहा है। मुख्य सचिव द्वारा भू जल का स्तर बढ़ाये जाने हेतु दिशा–निर्देश जारी किये गये है। तालाब, पोखरों आदि को मनरेगा के अन्तर्गत खण्ड विकास अधिकारियों द्वारा गहरा कराने के साथ–साथ सौन्दर्यीकरण भी कराने के निर्देश मुख्य विकास अधिकारी द्वारा दिए गये। श्री एन0के0 चौधरी भूगर्भ जल एवं गुणवत्ता सलाहकार, राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन, लखनऊ द्वारा बताया गया कि दिनांक 24.04.2015 का दिन विश्व पृथ्वी दिवस भी है, भू का जल से सीधा जुडाव है। वर्षा जल का अधिक से अधिक संरक्षण तालाबों, पोखरों तथा खेतों के माध्यम से किया जा सकता है। ऐसी व्यवस्था लागू की जाये जिसमें कि जल का दुरूपयोग न हो। शोभा चतुर्वेदी, क्षेत्रीय अधिकारी प्रदूषण नियन्त्रण बोर्ड, द्वारा स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा जल को प्रदूषण मुक्त रखने के सम्बन्ध में जन समुदाय को जागरूक करने के लिए कहा गया। अधिशासी अभियन्ता नलकूप ए0के0सिंह द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद में 384 ट्यूबवेल लगे हैं जिनकी गहरायी 180 मी0 है।

2001 की सर्वेक्षण जनगणना के अनुसार भूजल 10 फीट नीचे जा चुका है। मुकेश शर्मा उप प्रभागीय वनाधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद में कुल 2313 तालाब है, इनकी जल गुणवत्ता यदि चिन्हित हो जायें तो इसमें वृक्षारोपण करने में सुविधा होगी। परियोजना प्रबन्धक, भूमि सुधार निगम तथा उपनिदेशक कृषि द्वारा भी जल संचयन के सम्बन्ध में विचार व्यक्त किए गयें। जिलाधिकारी ने कहा कि भूजल संरक्षण एवं वर्षा जल के संचयन से जल बचाव अभियान को मूर्त रूप दे सकते है। खेत का पानी खेत में रहे इसकी भी जानकारी किसानों को होनी चाहिए। समेकित एवं सुनिश्चित ढंग से कार्य किए जाने से पेयजल समस्या का समाधान काफी हद तक सम्भव हो सकता है। जल बचाओं समिति का गठन मुख्य सचिव के निर्देशानुसार किया गया है, जिसमें सिचाई, कृषि, जलनिगम, ग्राम्य विकास, लघु सिचाई, भूगर्भ जल, वन विभाग आदि के अधिकारी समिति के सदस्य होगें। तहसील स्तर पर तहसील स्तरीय समिति होगी। ग्राम वार तालाब का चिन्हांकन कर कम से कम 4 लालरंग के खम्भे तालाब के चारो तरफ लगाए जायें। जिलाधिकारी द्वारा यह भी निर्देश दिए गये कि प्राकृतिक जल स्रोतों का संरक्षण समुचित विकास कर जल संचयन के कार्यो को सच्चे मन व पूर्ण भाव से किया जाए। रेन वाटर हार्वेस्टिंग को लागू किया जायें। राजित राम मिश्र, जिला विकास अधिकारी द्वारा जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी तथा अन्य अधिकारीगणों को धन्यवाद तथा आभार व्यक्त करते हुए गोष्ठी का समापन किया गया।

कैम्प लगा कर पेयजल की शुद्धता की हुई जांच

संवाददाता। अम्बेडकरनगर

कार्यालय जिला पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के जनपद सलाहकारों द्वारा टाण्डा ब्लाक के त्रिलोकपुर प्राथमिक विद्यालय में जागरूकता अभियान चलाया गया। प्रधानाध्यापक, सहायक अध्यापक व शिक्षा मित्र की उपस्थिति में जिला सलाहकार राकेश कुमार सिंह ने बच्चों को अशुद्ध पेयजल से सम्बन्धित बीमारियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। जिला सलाहकार पंकज बाजपेयी ने विद्यालय में लगे हैण्डपम्प के जल की जांच करते हुए जांच में प्रयुक्त रसायनों व विधि के बारे में बच्चों को विस्तार से जानकारी दी। साथ ही बच्चों को भविष्य में स्वच्छता हेतु अपने आस पास के वातावरण को स्वच्छ रखने के लिए संकल्प दिलाया गया। टीम द्वारा प्राथमिक विद्यालय रायपुर के निरीक्षण में विद्यालय परिसर में शौंचालय नहीं बना पाया गया। जबकि विद्यालय में कुल पंजीकृत 93 छात्र छात्राओं में 55 बालिकाएं शामिल है। परिसर में लगे इण्डिया मार्का हैण्डपम्प के जल की शुद्धता की जांच में सही पाया गया। जबकि देशी हैण्डपम्प का महज बोरिंग ही पाया गया। जांच टीम में ब्लाक कोआर्डिनेटर महेन्द्र कुमार सैनी भी मौजूद रहे।

पायनियर वर्गीकृत

पेयजल एवं स्वच्छता सहयोग संगठन, उत्तर प्रदेश (WSSO-U.P.),
राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन
ग्राम्य विकास विभाग, उ.प्र. – शासन)
जनपद
बघौड़
बेलघाट

राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन, उ.प्र.लखनऊ
जिला पेयजल एवं स्वच्छता मिशन, जनपद – बुलन्दशहर
राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल गुणवत्ता, अनुश्रवण एवं निगरानी कार्यक्रम
:- प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम :-
खुद का पानी, खुद की निगरानी।
खुशहाल गांव की यही कहानी।।